प्राथमिक शिक्षक

वर्ष 37 अंक 2 अप्रैल 2013

इस अंक में

संवाद 3

विशेष

1. बच्चों को समझने का करें प्रयास — किरन देवेंद्र — 5

लेख

2. बाल साहित्य–उदासीनता की बदलती रंगतें — शारदा कुमारी — 9
3. बच्चों के लिए कैसे चुनें किताब? — अक्षय कुमार दीक्षित — 15
4. बाल साहित्य के झरोखे से — उषा शर्मा — 27
5. बाल साहित्य का शैक्षिक अवदान — रामनिहोर तिवारी — 41
6. शाला में बाल साहित्य का उपयोग — भगवती प्रसाद गेहलोत — 47
7. बाल साहित्य और भाषा शिक्षण — मनोहर चमोली 'मनु' — 51

अनुभव

8. क्यों दूर हैं बच्चे किताबों से — लता पाण्डे — 56

पुस्तक के पन्नों से

9. शिक्षक हों तो — गिजुभाई बधेका — 60

विद्यया ऽ मृतमश्नुते

एन सी ई आर टी NCERT

विद्या से अमरत्व प्राप्त होता है।

परस्पर आवेष्टित हंस राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् (एन.सी.ई.आर.टी.) के कार्य के तीनों पक्षों के एकीकरण के प्रतीक हैं– (i) अनुसंधान और विकास, (ii) प्रशिक्षण, तथा (iii) विस्तार।

यह डिज़ाइन कर्नाटक राज्य के रायचूर ज़िले में मस्के के निकट हुई खुदाइयों से प्राप्त ईसा पूर्व तीसरी शताब्दी के अशोकयुगीन भग्नावशेष के आधार पर बनाया गया है।

उपर्युक्त आदर्श वाक्य *ईशावास्य उपनिषद्* से लिया गया है जिसका अर्थ है– विद्या से अमरत्व प्राप्त होता है।

शोध

10.	अहमदाबाद के प्राथमिक शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों की स्वप्रेरणा का अध्ययन	प्रवीण वी. गुंजाल	69

बालमन कुछ कहता है

11.	मुझे दोस्त पसंद हैं	गुंजन	73
12.	मेरा स्कूल बहुत बड़ा है	उत्कर्ष द्विवेदी	74

प्राथमिक शिक्षक पत्रिका के बारे में 75

कविता

13.	धापू	के. आर. शर्मा